यूहन्ना की दूसरी चिट्ठी

1मुझ बुजुर्ग की ओड़ तै उस महिला ताहीं —

जो पणमेसर कै जरिये छांटी गयी सै तथा उसके बाळकां के नाम जिन ताहीं मैं सत्य के हिस्सेदार माणसां कै रूप म्ह प्रेम करूँ सूं।

सिर्फ मैं ए थारै ताहीं प्रेम कोनी करूँ सूं, बल्के वे सारे थारै ताहीं प्रेम करै सैं जो सत्य नै जाण गे सैं। 2ओ उस्से सत्य कै कारण होया सै जो म्हारै म्ह बसै सै अर जो सदा सारीहाण म्हारै गेल्या रहवैगा।

3परम पिता पणमेसर की ओड़ तै उसका अनुग्रह, दया अर शान्ति सदा म्हारै गेल्या रह्वैगी तथा परम पिता पणमेसर के बेट्टे यीशु मसीह की ओड़ तै सत्य अर प्रेम म्ह म्हारी हालत बणी रह्वैगी।

4थारे बेट्टे-बेटियां नै उस सत्य कै मुताबिक़ जीवन जिन्दे देख कै जिसका आदेश म्हारै परमपिता तै मिल्या सै, मैं भोत राज्जी होया सूं 5अर इब हे महिला, मैं थारै तै कोए नया आदेश कोनी बल्के उस्से आदेश नै लिक्खण लागरया सूं, जिस ताहीं हमनै पुराणै बख्त तै पाया सै हमनै आप्पस म्ह प्रेम करणा चहिये। 6प्रेम का मतलब योए सै के हम उसके आदेशां पै चाल्लां। यो ओए आदेश सै जिस ताहीं थमनै सरू तै ए सुण्या सै के थारै प्रेम तै जीणा चहिये।

7संसार म्ह भोत से भटकाण आळे सैं। इसा माणस जो न्यू मांदा के इस धरती पै माणस के रूप म्ह यीशु मसीह आया सै, ओ छली सै तथा मसीह का दुश्मन सै। 8खुद ताहीं चौकन्ना बणाए राक्खो! ताके थम उस ताहीं खो ना बैट्ठो जिसकै खात्तर हमनै ओक्खी मेहनत करी सै, बल्के थारै ताहीं तो थारा पूरा इनाम पाणा सै।

9जो कोए भोत दूर चल्या जावै सै अर मसीह कै बाबत म्ह दिए गये साच्चे उपदेश म्ह टिक्या नीं रहन्दा, ओ पणमेसर ताहीं कोनी पांदा अर जो उसकी शिक्षा म्ह बण्या रहवै सै, परमपिता अर बेट्टे दोन्नुआं ए उसकै धोरै सैं। 10जै कोए थारै धोरै आकै इस उपदेश नै कोनी देवै सै तो अपणे घर उसका आद्दर मान मतना करो तथा उसके स्वागत म्ह नमस्कार भी मतना करो। 11क्यूँके जो इसे माणस का आद्दर-मान करै सै, ओ उसके भूँडे काम्मां म्ह हिस्सेदार बणै सै।

12हालाके थारै ताहीं लिक्खण नै मेरै धोरै भोत सी बात सैं किन्तु उन ताहीं मैं लेखणी अर स्याही तै कोनी लिखणा चाह्न्दा। बल्के मेरै ताहीं आस सै के थारै धोरै आकै आम्मी-श्याम्मी बैठ कै बात करूँगा। जिसतै म्हारा आनन्द परिपूर्ण हो। 13तेरी बहन के बेट्टे-बेटियां का तेरै ताहीं नमस्कार पहोच्चै।

नोट्स